Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ______________________

   (Name) ______________________

2. (Signature) ______________________

   (Name) ______________________

OMR Sheet No. : ....

(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ______________________

(In words)

J 0 8 5 1 8

PAPER - II
KONKANI

Time : 2 hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **20**

Number of Questions in this Booklet : **100**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of hundred multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.

   Example : ① ② ● ④ where (3) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are however, allowed to carry original question booklet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There are no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र में सौ बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं। आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।

   उदाहरण : ① ② ● ④ जबकि (3) सही उत्तर है।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं। यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें। हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका अपने साथ ले जा सकते हैं।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही प्रयोग करें।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं।**

KONKANI

कोंकणी

PAPER - II

प्रश्नपत्र – II

Note : This paper contains **hundred (100)** objective type questions of **two (2)** marks each. **All** questions are **compulsory**.

निर्देश : इस प्रश्न–पत्र में **सौ (100)** बहु–विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक है। **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** है।

सुचवण्यो : ह्या प्रस्नपत्रांत वट्ट शंभर **(100)** भौपर्यायी जापेचे प्रश्न आसात. दर एका प्रस्नाची जाप ताचे सकयल दिल्ल्या **(1), (2), (3), (4)** ह्या चार आंकड्यातल्या फावो त्या आंकड्याचेर कुरू करून दिंवची. दर प्रस्नाच्या सारके जापेक दोन **(2)** गूण दवरल्यात. सगळ्या प्रस्नांच्यो जापो दिंवच्यो.

1. ''ह्या पासत हावं तुमकां सांगतां, तुमी, आपणें कितें खांवचें वो किते पियेवंचे ? असो तुमच्या जिवाखातीर आनी आपणें कितें न्हेसूचें – पांगुरचें ? असो तुमचे कुडीखातीर हुस्को काडूं नाकात.''

वयल्यो वळी कोणाल्या आनी खंयच्या पुस्तकांतल्यान घेतल्यात ?

(1) वनवाळ्याचो मळो – पा. मिगेल द आल्मैदा

(2) आमचो सोडवणदार – ज्योकी आंतोनिया फॅर्नांदीश

(3) क्रिस्तांव घराबो – एदुआर्दु ब्रून द सौझा

(4) देवाची एकांग्र बोलणीं – पाद्र जुआंव पेद्रोझ

2. ए.व्ही. डिक्रूझ हांच्या रोमांसीचे हांतलें खंयचें नांव बरोबर आसा.

(1) 'वांटेवेलो कांटो'

(2) हें सत् जाणा जा

(3) आत्मो देंवचाराक

(4) वेंचून काडिल्ली परजा

3. सकयल दिल्ले उतारे आनी तांचे बरोवपी हांच्यो फावो त्यो जोडयो लायात.

(अ) ताजो आधार कर म्हण प्रार्थितां, कित्या तुज्या मोगाळ कांताची ही स्थुती असी तूं विवेखून अनंद प्रेमभरितां होऊनु म्हजो वो ह्या येकांग्र बोलण्याचो प्रतिपाळी करिसी आणी प्रसन्न जाऊनु निंदका जिवाचें वाग चुखयशीं.... — (च) पा. जुआंव द् पेद्रोझ

(ब) फिरंगी उतर थोरीव, प्राप्ती महिमा अर्थता जेणे – प्रमाणईं दों जुआंव. दों. फ्रान्सिस्कु; दो दियोगु आनी हे परींच आणि एक कीर्तीवंत नांव संवत्सरांत सोभताती. कोंकणे उतर कुळी नांव जें आसा तें कुळी पदवे, थोरी, प्राप्तिमहिंमेचें किर्तीवंत नांव'' — (ट) फिलिप सासेती

(क) 'खुद्द गोयांतु कोंकणी लोकांलो वर्चस्व कदंबादि राज्यांतु प्राबल्यान आशिल्लो. स. 1038 चे तांब्यापाटाचे वयल्यान दिसता कीं कदंबराजा दुसरो गुहल्लदेवाले प्रधान मंडळांतु शिरिया पै, दामपै, जावपै, महल्ल, खलपै इ. आशिल्ले. — (त) जोकीं आंतोनियु फॅर्नांदीश

(ड) गोंय हें पूर्विले काळापासून विद्येचे कुळागर म्हण्णुं प्रसिद्ध आशिल्ल्यान हांगाचे हिंदू लोकांपैकी जास्त करनुं उच्च वर्णाचे लोक विद्यापारंगत आसचें साहजिक आसा. पणून ते लोक आतां दुसरे देशांतु वसणूक करच्याक गेलिल्यान गोंयचे सौंदर्य, तांतुतली श्रीमंती आनी वेपार ह्या सर्वाक अवकळा आयल्या.'' — (प) नागेश सोंदे

(य) पाद्र मिंगेल द आल्मैदा

	(अ)	(ब)	(क)	(ड)
(1)	(च)	(य)	(प)	(ट)
(2)	(ट)	(त)	(प)	(य)
(3)	(प)	(ट)	(च)	(त)
(4)	(य)	(त)	(ट)	(च)

4. 'नाटय संहितेत वायट मनशाचो द्वेष आसूंक फावना, द्वेष आसूंक जाय वायट प्रवृत्तीचो वा वायट विचार प्रणालीचो.'

(1) वयल्या वाक्यांतलें पयलें विधान बरोबर.
(2) पुराय वाक्य बरोबर आसा.
(3) पुराय वाक्य चूक आसा.
(4) वयल्या वाक्यातलें दुसरें विधान बरोबर आसा.

5. खलील जिब्रानाच्या पुस्तकाचो 'पैगंबर' ह्या नांवान हांतल्या कोणे अणकार केला?

(1) अभिजित
(2) पांडुरंग भांगी
(3) बाकीबाब बोरकार
(4) सु.म. तडकोडकार

6. व्यवस्थेतलें परिवर्तन हें तांच्या साहित्याचें प्रयोजन आनी उद्दीष्ट आसा. मनीस जीणेची जाल्लीमी घुसपट आनी अंतर्बाह्य संघर्ष तांणी चित्रित केला.'' हें खंयच्या बरोवप्यासंबंदान म्हटलां आसूं येता?

(1) र.वि. पंडीत
(2) रविंद्र केळेकार
(3) चा.फ्रा. दि कोस्ता
(4) पुंडलीक नायक

7. इ.स. 1970 ते इ.स. 1980 मेरेनचो काळ कोंकणी साहित्याचे नदरेंतल्यान खूप म्हत्त्वाचो काळ. कारण –

(1) ह्याच काळांत कोंकणीक राजमान्यताय मेळोवपाची सुलुस गोंयकारांक लागिल्ली.

(2) ह्याच काळांत सातत्यान बरयतल्या जेष्ठ साहित्यिकां – वांगडा आपलें अशें साहित्यिक मूल्य घडयत आनीक एक अर्विल्ली तरणी साहित्यिक पिळगी निर्माण जाताली.

(3) ह्या काळांत कोंकणी कविता आनी कथा बरोवपी लेखक मुखार सरताले.

(4) कोंकणी भास साहित्य अकादमीच्या आंगणात पावून तिचे मदल्या साहित्याक इनामां फावो जावपाक आरंब जाल्लो.

8. 'ही वाट यमकोंडाची; विधीचो खेळ' ह्यो साहित्यकृती बरोवपी लेखक कोण आनी तो खंयच्या नेमाळ्याचो संपादक आशिल्लो ?

(1) जे.बी. मोराइस – 'दिवो'

(2) बी.एफ्. काब्राल – 'दिरवें'

(3) पा. व्हिन्सेंत लोबो – 'मित्र'

(4) गोविंद पुंडलीक हेगडो – 'पोयणारी'

9. 'मळबाचे मायेपरस
निळसर नदरेचें मन .....' ह्यो वळी हांतल्या कोणाच्यो ?

(1) माधव बोरकार (2) राजय पवार (3) माया खरंगटे (4) विजया सरमळकार

10. 'टक्याची जात्रा' आनी 'शिशारान्नी' हे लोकोत्सव हांतल्या खंयच्या म्हालांत साजरे जातात ?

(1) सत्तरी म्हाल (2) पेडणे म्हाल (3) काणकोण म्हाल (4) सांगे म्हाल

11. हांतले नाद-अणकारी उतर खंयचे ?

(1) वयर-सकल (2) पडत-झडत (3) कुलकुलाट (4) बारिक-सारिक

12. 'कोंकणी भास : साहित्य आनी संस्कृताय' हांतूतल्या दो. हरिश्चंद्र नागवेंकारानी बरयल्ल्या लेखांत मांडिल्ल्या विचारांचो योग्य तो पर्याय वेंचून काडात.

''आयचो समीक्षक साहित्याची पारख करतना आकारांतलेंच सौंदर्य पळयना जाल्यार -''

(1) साहित्य कृतींतल्या प्रतिमावळींचो सोद घेवन तांतूत व्यक्त जाल्ल्या जीणेतल्या सत्यांचो ठाव घेता.

(2) साहित्यकृतीच्या आशयांतलें म्हळ्यार तांतूत परगट जाल्ल्या जिवनचित्रांतलें सौंदर्य पारखून ते साहित्यकृतीचें मोल थारायता.

(3) ते साहित्य कृतीची प्रयोगशीळताय पळोवन तांतून प्रगट जाल्ल्या विचारांची मूल्यात्मक पारखणी करता.

(4) ते साहित्यकृतीची मौलिकताय थारावन तिचे भाशेची सुंदरताय आनी सुलभताय पळोवन ते साहित्य कृतीचें श्रेष्ठत्व थारायता.

13. इ.स. 1541 वर्सा 'पवित्र धर्माची संघटना' (confraria de Santa fe) नांवाची संस्था गोंयांत स्थापन जाली हाचें कारण -

(1) क्रिस्तांव धर्मोपदेशांक नव क्रिस्तांवांक उपदेश करपा खातीर माची मेळची देखून.

(2) गोंयांत क्रिस्तांव धर्मा आड वावुरतल्यांक ख्यास्त भोगोवंक आनी दंडणा दिवपाक मेळचें म्हूण.

(3) धर्मांतरीत नव-क्रिस्तांव जाती-भायरे जांवचे न्हय ह्या हुसक्यान तांकां वेगळे काडून संघटीत करप हें आसलें.

(4) गोंयांत स्थापन जाल्ल्यो विंगड इगर्जो आनी तांतूत वावुरपी धर्मोपदेशक संघटीत जांवचे हो उद्देश ताचे फाटल्यान आसलो.

14. कवयित्री आनी तांच्या कवितेंतल्यो वळी हांच्यो योग्य जोडयो लायात.

(अ) कुरु कुरु काना म्हशी वेतल्यो खंयच्या रानांखंय शेणलीं रानां कोण जाणा ?	(इ) नयना आडारकर
(ब) तुमी कशे वागचें/हाचे नेम तुमचेकडेन नात पुण आमीं कशीं वागचीं/हाका नेमूच नेम	(फ) माया खरंगटे
(क) काळजाचे घाय/झर कशी व्हांवता आनी काळजा भितरूच/बांय जावन रावता	(च) राजश्री सैल
(ड) कविता शृंगारता/काळखाचें उबेंत धुपारत जावन परमळता/फांतोडेचे देगेन	(म) नूतन साखरदांडे
	(न) सुधा खरंगटे

(1) (अ)-(फ); (ब)-(म); (क)-(इ); (ड)-(च)

(2) (अ)-(च); (ब)-(म); (क)-(इ); (ड)-(न)

(3) (अ)-(इ); (ब)-(फ); (क)-(न); (ड)-(च)

(4) (अ)-(च); (ब)-(इ); (क)-(फ); (ड)-(म)

15. (अ) 'कोंकणी नाद शास्त्रां' तली चडशी परिभाशीक उतरावळ ज्योकी आंतोन फॅर्नांदीशानी शणै गोंयबाबांल्या बरपांतल्यान घेतल्या.

(ब) भाशेच्या अभ्यासकांक भाशेकडेन भास म्हुण पळोवपाक शिकयले, इतिहासिक नदरेंतल्यान जागे केले आनी विज्ञानाक वाट मेकळी करुन दिवपाचे काम सोस्यूर हांणी केले.

(1) वयली दोनूय वाक्यां बरोबर (2) (अ) बरोबर (ब) चूक

(3) (ब) बरोबर (अ) चूक (4) दोनूय वाक्यां चूक

16. स्वास नळयेंतल्यान भायर सरपी हवेक तोंडात खंय तरी पुरायेन आळखळ जावन ती भायर सरता तेन्ना जाता त्या उच्चाराक कसलें व्यंजन म्हणतात ?

(1) महाप्राण व्यंजन (2) घर्श्टें व्यंजन (3) स्फोटी व्यंजन (4) कंण्ठय व्यंजन

17. ह्या कडव्याची निमणी योग्य वळ हांतूतली खंयची ?

कृष्ण ना/अशें एक घर ना

राधा ना/अशें एक मन ना.

राधेचो घोव मात/..........

(1) राधेक फावना (2) सोदून गावना (3) मन भुलयना (4) सोडून वचना

18. ''कालाप्रवाहाची जाण व्यक्त करपी, मानवी मनाचे व्यापार मांडपी,जिणेंतलीं द्वंद्वां रंगोवपी, सत्यां सांगपी तेच वरी रंगमाचयेचें सामर्थ्य आनी मर्यादा जाणपी असो नाटककार'' अशें हांतल्या खंयच्या नाटककाराविशीं म्हटलां ?

(1) पुंडलीक नायक (2) पुंडलीक दांडो (3) शेक्सपीयर (4) मोलीयर

19. 'हांव पिसो/मालूक न्हंय

म्हजे नांव व्हिन्सेंट व्हैन गॉफ – तुमीं ?

म्हाका अशे हांसतात कित्याक'

ह्यो वळी हांतल्या खंयच्या कवीच्यो ?

(1) सु.म. तडकोड (2) अरुण साखरदांडे (3) पांडुरंग भांगी (4) शंकर रामाणी

20. साहित्यकृती, साहित्यप्रकार आनी साहित्यिक हांची बरोबर जोडी हांतली खंयची ?

(1) ब्रह्मकमळ, कविता; र.वि. पंडीत (2) उमजणी; निबंद; दीपा मुरकुंडे

(3) संदेश; कथाझेलो; ऑलिविन्यु गॉमिश (4) सूर्यवंशी; नाटक; आर. रामनाथ

21. ' तुळात्मक वाङ्‌मयविद्या' हें शास्त्र मान्यतायेक पावतकच इंडो–युरोपियन आनी द्रविडी भाशे कुळांच्या सांगातान हांतल्या आनीक खंयच्या भाशेचें कूळ संशोधकांनी सोदून काडलें ?

(1) हेमिटिक (2) येवरोपी (3) जर्मन (4) इराणी

22. हांतूतलें खंयचें उतर शुद्धलेखनाच्या नेमाप्रमाण बरोबर आसा.

(1) चवऱ्यांशी (2) चोवऱ्याअंशी (3) चवदयांयशीं (4) चवदाअंशीं

23. (अ) 'काव्यानुशासन' ह्या ग्रंथाचो रचनाकार हेमचंद्र आसा.

(ब) 'औचित्य विचार चर्चा' हो ग्रंथ क्षेमेंद्रान संपन्न केला.

(1) वयली (अ) आनी (ब) विधानां चूक आसात.

(2) (अ) आनी (ब) हीं दोनूय विधानां बरोबर आसात.

(3) (अ) विधान बरोबर आनी (ब) विधान चूक आसा.

(4) (अ) विधान चूक आनी (ब) बिधान बरोबर आसा.

24. शणै गोंयबाबांनी कोंकणीत अणकारलेले गीतेची मुखेल विशेशताय म्हळ्यार –

(1) गीतेतल्या श्लोकांचो ताणी भावानुवाद केलो.

(2) गीतेचो अणकार करतना कोंकणीच्या मोडींचो वापर सहजतायेन केलो.

(3) तांणी सादी, सोपी, नितळ कोंकणी उतरावळ आपणायली. जांतूत तत्सम उतरांचो वापर केलो ना.

(4) संस्कृत उतरांच्या जाग्यार तत्सम उतरां आपणायली आनी कोंकणी भाशेक पेजादपण हाडलें.

25. कथाकार, कथांझेलो आनी कथा हांच्यो फावो त्यो जोडयो लायात.

(अ) मधुसूदन जोशी	(i) कांदळां	(vi) सोयरीक
(ब) शशांक सिताराम	(ii) पलतडचें तारुं	(vii) गोदू
(क) देवीदास कदम	(iii) खांवटें	(viii) यमा, मात्सो राव
(ड) महाबळेश्वर सैल	(iv) परीघ	(ix) रूप आनी रूपडीं
	(v) अथांग	(x) दोंगरायेदी फट
		(xi) अशीच एक दनपार

	(अ)	(ब)	(क)	(ड)
(1)	(iii) - (viii)	(iv) - (ix)	(i) - (vi)	(ii) - (x)
(2)	(iii) - (ix)	(iv) - (xi)	(i) - (vii)	(ii) - (ix)
(3)	(iii) - (vi)	(iv) - (viii)	(i) - (x)	(ii) - (xi)
(4)	(iv) - (vi)	(v) - (x)	(iii) - (vii)	(ii) - (viii)

26. 'जिवीताचें भांगर करपी पुस्तक' अशें वर्णन 'सर्जकाची आंतरकथां'त आयलां, तें पुस्तक खंयचें ?

(1) रामायण (2) महाभारत (3) ज्ञानेश्वरी (4) गीताय

27. उतरांक जेन्ना 'य' हें कूस लागता तेन्ना तें खंयचो अर्थ उगतायता ?

(1) खात्री दिवपाखातीर (2) तुळा करपाखातीर

(3) आनीक अशें भर दिवन सांगपाखातीर (4) पुरायतरेन अर्थ उगतावपाखातीर

28. सकयल्या वाक्यांतलें दुबावी क्रियापदाचो वापर जाल्लें वाक्य खंयचें ?

(1) म्हजो चलो खूप शिकता (2) म्हजो चलो शिकतलोच

(3) म्हजो चलो घरांत शिकता आसतलो (4) म्हजो चलो कितलो शिकता म्हुण सांगू !

29. 'बापायन आपले येणावळीतलो पांचवो वांटो धुवेक दिलो आनी पांच भाटां पुताक दिल्ली' ह्या वाक्यातलें अपूर्ण विशेशण खंयचें ?

(1) पांचवो (2) पांच (3) येणावळीतलो (4) आपले

30. 'Poetry is a matrical composition' (कविता म्हळ्यार छंदोमयी वाणी) कवितेची अशी व्याख्या हांतल्या कोणे केल्या ?

(1) मिल्टन (2) कार्लाईल (3) डॉ. जॉनसन (4) कोलरिज

31. 'अु उल्त्रामार' हें नेमाळें खंयच्यान आनी खंयच्या वर्सासावन उजवाडाक येतालें ?

(1) ओडलीं-1858 (2) मडगांव-1859 (3) पिलार-1893 (4) कुंकळ्ळें-1897

32. मुळाव्या आनी थळाव्या उतरांक केन्ना एक दोन अक्षरां फाटीं लागून तर केन्ना फुडें लागून तर केन्ना दोन उतरां एक जावन वा एकाच उतराची पुनरावृत्ती जावन नवीं उतरां घडतात त्या उतराक किदें म्हणतात ?

(1) कृदन्त उतरां (2) तद्धित उतरां (3) सामासिक उतरां (4) साधित उतरां

33. खंयच्या कोंकणी उतरासावन 'कुळार' हें उतर आयलां ?

(1) कुलगृह (2) कुळाचार (3) कुलगुरु (4) कुलग्रह

34. 'सौंदर्य होच काव्याचो आत्मो' अशें मत्त हांतल्या खंयच्या काव्यपंडितान उगतायलें ?

(1) कुंतक (2) भोज (3) वामन (4) जगन्नाथ पंडीत

35. तेंडली, गराशेर, रणराव, फुलकार ही संवगां खंयच्या लोक-सादरीकरणांतली जावन आसात ?

(1) जागर (2) रणमाले (3) रोमटां-मेळ (4) तोणया-मेळ

36. Feature ह्या इंग्लेज उतराक कोंकणी __________ हें प्रतिउतर मेळटा.

(1) भविश्य (2) कल्पनाविलास (3) रूपक (4) फॅन्टसी

37. 'The 18th of June' ही प्रस्तावना हांतल्या कोणे आनी खंयच्या पुस्तकाखातीर बरयल्या.

(1) बाकीबाब बोरकार – जोरगत
(2) राम मनोहर लोहिया – 'गोंया तुज्या मोगाखातीर'
(3) जे.बि. मोरायश – 'आयलें आमचें राज्य आयलें'
(4) शंकर परूळकार – 'गोमटें गोंय गायता'

38. 'भाशांतरकार एकतर लेखकाच्या वाटेक शक्य तितको वचना आनी वाचप्यांक ताचेकडेन घेवन येता; वा तो वाचप्याच्या वाटेक शक्य तितलो वचना आनी बरोबप्याकच ताचेकडेन व्हारता.'

(1) वयल्या विधानातले पयलें अर्द बरोबर (2) वयलें पुराय विधान चूक
(3) पुराय विधान बरोबर (4) वयल्या विधानातलें दुसरें अर्द चूक

39. 'रंगनाथरामायण' हो ग्रंथ हांतूतल्या खंयचे भाशेंत आसा.

(1) तेलुगू भास (2) कन्नड भास (3) मलयालम भास (4) कोंकणी भास

40. (अ) 'भारतांतल्या गिरेस्त पुराण-कथांनी भारतीय साहित्याक अनेक पदरी मिथकांचे गिरेस्त आनी समृद्ध दायज दिलें.'

(ब) सर्जनशील साहित्यकार चड करून कवी मिथकांचो वापर सुयोग्य रीतीन करून आपणालो आशय उगतायता.

(1) (अ) आनी (ब) ही विधानां चूक आसात.

(2) (अ) विधान बरोबर जाल्यार (ब) विधान चूक आसा.

(3) (अ) आनी (ब) ही दोन्य विधानां बरोबर आसात.

(4) (अ) विधान चूक आनी विधान (ब) बरोबर आसा.

41. व्याकरणां आनी शब्दकोश भाशेक कितें दितात ?

(1) अर्थ उक्तावपाची तांक.
(2) भाशेचे नेम थारावपाची तांक दिता.
(3) भाशेक बुनयादी घटाय दिता.
(4) भाशेक रचनेची वेवस्था दाखोवन दिता.

42. 'आपली तांक जाणून तसो वेव्हार करचो' हें वाक्य सकयल दिल्ले खंयचे वोपारीक लागू जाता ?

(1) फुलुखुस्तार खोजने मारप.
(2) नाचूंक येना आंगण वांकडें.
(3) आयत्या बिळार नागोबा.
(4) हार उडटा म्हुण माळुणान उडल्यार जायना.

43. 'दर्याचे देगेर घुंवताल्यो घुंवऱ्यो
राजाल्यो कुंवऱ्यो आमीं खेळ खेळटाल्यो'
हें गीत खंयच्या प्रकारांत आसपावता ?

(1) रंजन गीत (2) नृत्य गीत (3) उत्सव गीत (4) धनगर गीत

44. कवितांझेलो आनी तांच्या उजवाडावणेचें वर्स हांच्यो फावो त्यो जोडयो लायात.

(i)	उजवाडाची पावलां	(v)	इ.स. 1976
(ii)	मुळां	(vi)	इ.स. 1985
(iii)	वज्रथिकां	(vii)	इ.स. 1995
(iv)	हिरण्यगर्भ	(viii)	इ.स. 1990
		(ix)	इ.स. 1993

(1) (i) - (v), (ii) - (ix), (iii) - (vi), (iv) - (vii)
(2) (i) - (ix), (ii) - (v), (iii) - (vi), (iv) - (vii)
(3) (i) - (v), (ii) - (vii), (iii) - (vi), (iv) - (ix)
(4) (i) - (viii), (ii) - (vii), (iii) - (vi), (iv) - (v)

45. हांतूतली खंयची रचना 'आपजीण' ह्या साहित्य प्रकारांत आसपावता ?
(1) 'प्रीतीखातीर' (2) 'उजवाडाचे सूर' (3) 'नंदालो पोर' (4) 'पुण्यात्मो राम कामती'

46. 'दर्या गाजयलो' ही भुरग्यांखातीर रचिल्ली साहित्यकृती कोणे बरयल्या ?
(1) रमेश वेळुस्कार (2) गोदुबाय केळेकार (3) माया खरंगटे (4) सुधा आमोणकार

47. भरतमुनीच्या मत्ताप्रमाण 'अक्षर संघात लक्षणां' चो बरोबर अर्थ हांतलो खंयचो ?
(1) उतरांची व्युत्पत्ती सांगून ताच्या आदारान कथानकाची फोडणीशी करप.
(2) विंगड विंगड घडणुकांचे वर्णन करून तांचो अर्थ उकतावप.
(3) थोडयाच पूण श्लेशपूर्ण उतरांनी वर्णन करप.
(4) विंगड उतरांनी कथानकाची फोडणीशी करप.

48. 'तुका सुंदर आंगण जाय ?
तण हुमटाय, आनी हुमटाय.
तुका मनांतु शांति जाय ?
तिष्णा हुमटाय, आनी हुमटाय !'
ह्यो वळी हांतल्या खंयच्या केरळ कोंकणी कवीच्यो जावन आसात ?
(1) पयन्नूर रमेश पै. (2) श्री पी.जी. कामत
(3) श्री एन्.एन्. आनन्दन (4) श्री वी. शेठ बलराज

49. 'तांच्या बरपांत विशयांची विंगडताय, विचारांची भव्यताय, समाज आनी कोंकणी भाशेविशींची निष्ठा आनी तळमळ आसा' अशें हांतल्या कोणे आनी कोणाविशीं म्हटलां ?
(1) मनोहरराय सरदेसाय – शणै गोंयबाब (2) प्रियदर्शिनी तडकोडकार – रवीन्द्र केळेकार
(3) किरण बुडकुले – दामोदर मावजो (4) तानाजी हळर्णकार – सुरेश आमोणकार

50. सकयल्या विधानांतलें खंयचे विधान बरोबर आसा ?
(अ) अल्पप्राण – म्हाप्राण हो फरक निखट्या क्रिस्तांवाच्या बोलयांनी दिश्टी पडना.
(ब) कोंकणींत अल्पप्राण आनी महाप्राण पोर्तुगीज आनी मराठीच्या प्रभावाकलागून आयला.
(क) अल्पप्राण म्हाप्राण हो फरक निखट्या गोंयच्या कोंकणी बोलयांनीच आसा.
(ड) कोंकणीत उतराचे सुखेकच अल्पप्राण म्हाप्राण हो फरक बरो उगतो जाता.
(1) (अ) विधान बरोबर (2) (ड) विधान बरोबर
(3) (ब) आनी (क) विधानां बरोबर (4) वयल्यातली सगळींच विधानां बरोबर नात

51. ''दोगीय भुर्गे वाडोन, खेळटास्ताना आंगणांत
एकदीस सारेऽन सांगलें घरकाराच्या कानांत
नाका म्हज्या पुताक इस्मायेली सांगोड
वचोनी तो आनी आगार, दोगांय विंगड.''
वयल्यो वळी खंयच्या रचना कृतींतल्यान घेतल्यात ?

(1) पुतिफाराची बायल
(2) एव आनी मरी
(3) श्रवोण
(4) आब्रांवचे यज्ञदान

52. शेट बलराज हांणी कोंकणी विकासाखातीर खंयची संस्था कोचींत स्थापन केल्ली.

(1) केरळ कोंकणी अकादमी
(2) कोंकणी प्रेमि मंडल
(3) कोंकणी भाषा प्रचार सभा
(4) केरळ कोंकणी साहित्य अकादमी

53. केरळी मोडीतल्या 'तुरुंब' ह्या उतराचो अर्थ __________ असो आसा.

(1) झाडाक आयिल्लीं तुरमणां
(2) राखण करप
(3) कळमेवप
(4) साकळप

54. ''..... लज, रेस्पेत हो आमकां गरिबांक तांकना .....
आस्पती लोकांनी सांबाळपाच्यो वस्ती त्यो .....''
ही उतरां कोणे कोणाक उद्देशून म्हटल्यात ?

(1) रुक्मिण बाबुशाक म्हणटा.
(2) कार्मेलीन इजाबेलाक म्हणटा.
(3) जेमा.लेस्लीक सांगता.
(4) देवकी सुमनाक सांगता.

55. हांतूतल्य खंयचे रचनेंत बायल-मनशेचे व्यथेचे उमाळे व्यक्त जावंक नात ?

(1) 'काळी गंगा'
(2) 'भोगदंड'
(3) 'सुनामी सायमन'
(4) 'मोनी व्यथा'

56. सकयल्या अणकार आनी अणकारकर्त्याची योग्य जोडी वेंचून काडात.

(1) पुंडलीक शणै - 'ऋग्वेद'
(2) रविंद्र केळेकार - 'गीतामृतसार'
(3) सुरेश आमोणकार - 'पैगंबर'
(4) जुजे आंतोनियु कोश्त - 'बायबल कथांचे पवित्र पुस्तक'

57. सकयल्या पुस्तकांचो उजवाडावणेच्या वर्साप्रमाण योग्य क्रम खंयचो ?

(1) 'किर्तनां', 'स्तोत्रां', 'नवो करार', 'चारुय शुभवर्तमानां', 'पेंटाटेउक'

(2) 'पेंटाटेउक', 'चारुय शुभवर्तमानां', 'नवो करार', 'किर्तनां'; 'स्तोत्रां'

(3) 'चारुय शुभवर्तमानां', 'नवो करार', 'पेंटाटेउक', 'किर्तनां', 'स्तोत्रां'

(4) 'नवो करार', 'चारुय शुभवर्तमानां', 'पेंटाटेउक', 'किर्तनां', 'स्तोत्रां'

58. फावो तो पर्याय वेंचून वाक्य पुराय करात.

लिखित व्याकरणाची परंपरा आशिल्ल्या भासांतल्यान कोंकणीची व्याकरणां रचतना कोंकणीच्या व्याकरणकारांक -

(1) खूप आडमेळीं आयलीं आनी वावर अर्दकुटो सोडचो पडलो.

(2) संस्कृत भाशेचो खूप आदार घेवन तत्सम उतरां घडोवंची पडलीं.

(3) व्याकरणीक उतरावळ घडोवंची पडूंक नाशिल्ली. ती तांकां आयतीच मेळिल्ली.

(4) बोली भाशेतल्या उतरावळीचो खूप आदार जालो.

59. प्रोटेस्टंट मिशनरी विलियम कॅरीन 19 व्या शेंकडयांत कसलो वावर करपाक सुरवात केल्ली ?

(1) बायबल ह्या पवित्र ग्रंथाचो अणकार साबार भारतीय भासांनी करपाचो.

(2) गोंयातली साबार धर्मिक पुस्तकां रोमी लिपयेंत छापून घेवपाचो.

(3) गोंयातल्या साबार लोकांचे धर्मपरिवर्तन करून तांकां क्रिस्तांव धर्माची शिकवण दिवपाचो.

(4) कोंकणीतल्या साबार मोडींचें सर्वेक्षण करून तांच्या उतरावळीचो कोश करपाचो.

60. वाक्प्रचार आनी तांचो अर्थ हांच्यो योग्य त्यो जोडयो लायात.

(अ) धव्याचें काळें करप	(च) कर्माप्रमाण फळ मेळटा
(ब) तांबडो गुंज जावप	(छ) दिखावो केलो म्हणू खरेपण लिपना
(क) वोंपता तशें पिकता	(ज) खूप राग येवप
(ड) कानाचें सूप करप	(झ) बऱ्याचो वायटांत बदल करप
	(ञ) खूप ध्यान दिवन आयकप

(1) (अ)-(च); (ब)-(ज) ; (क)-(छ); (ड)-(ञ)

(2) (अ)-(झ); (ब)-(च) ; (क)-(ज); (ड)-(छ)

(3) (अ)-(झ); (ब)-(ज) ; (क)-(च); (ड)-(ञ)

(4) (अ)-(ञ); (ब)-(छ) ; (क)-(च); (ड)-(ज)

61. इकारान सोंपता त्या उतरांनी निमाणे इकार येता तो __________ आसता.

(1) लांब (2) धांपतो (3) मोटवो (4) उगतो

62. अस्तंतेकडल्या समिक्षक विद्वानांचो तांच्या कार्यकाळाप्रमाण खंयचो क्रम योग्य आसा ?

(1) अलेक्झांडर पोप, बेन जॉन्सन, सॅम्युअल जॉन्सन, टॉमस हॉब्ज, फ्रेडरिक श्लेगेल.

(2) बेन जॉन्सन, अलेक्झांडर पोप, सॅम्युअल जॉन्सन, फ्रेडरिक श्लेगेल, टॉमस हॉब्ज.

(3) बेन जॉन्सन, अलेक्झांडर पोप, सॅम्युअल जॉन्सन, फ्रेडरिक श्लेगेल, टॉमस हॉब्ज.

(4) सॅम्युअल जॉन्सन, बेन जॉन्सन, अलेक्झांडर पोप, फ्रेडरिक श्लेगेल, टॉमस हॉब्ज.

63. 'Peri Hupsos' होजो लाँजायनसाचो ग्रंथ इटालियन विद्वान रॉबर्ट लोन हांणे खंयच्या वर्सा उजवाडायलो ?

(1) इ.स. 1664 (2) इ.स. 1575 (3) इ.स. 1676 (4) इ.स. 1554

64. नाटकाची रचणूक करतना बरोवप्यान हांतल्या खंयच्या गजालींचेर लक्ष दिवप गरजेचें आसता ?

(1) स्थळ, काळ आनी कथानक हांचो एकवट. (2) भास, संवाद आनी प्रसंग.

(3) पात्रांचे सभावविशेश आनी घडणूक. (4) नेपथ्य आनी उजवाडा येवजण आनी संगीत.

65. 'हितोपदेश' ह्या संस्कृत पुस्तकाचो पोर्तुगेज अणकार हांतल्या कोणे आनी खंयच्या वर्सा केलो ?

(1) कुंज रिव्हार - इ.स. 1888 (2) आंजेल माफैय - इ.स. 1880

(3) रुदोल्फ दाल्गाद - इ.स. 1887 (4) एतियन द ला क्रुवा - इ.स. 1890

66. 'कल्पनेन रचिल्लें सृजनात्मक साहित्य म्हळ्यार ललित-साहित्य' अशी ललित साहित्या ची व्याख्या कोंकणीतलो खंयचो गद्य लेखक करता ?

(1) चंद्रकान्त केणी (2) दामोदर मावजो

(3) शान्ताराम वालावलकार (4) दत्ता भिकाजी नायक

67. ''स्रावस्तीच्या जेतवन विहारांत गौतम बुद्धाचे पूर्णाकडेन जें उलौप जालें, ताचे वैल्यान सुमार अडेच हजार वर्सा आदीं, सुनापरान्तातले लोक नष्टे, खुनशी आनी आंगार-पडे आसले अशें दिसता' ही उतरां शणै गोंय बाबांच्या खंयचे रचनेंतली आसात ?

(1) कोंकणी भाशेचें जैत. (2) गोंयकाराली गोंयाभायली वसणूक

(3) गोमंतोपनिषद् - दुसरें खंड (4) संवसार बुट्टी - गोमंतोपनिषद्-पयलें खंड

68. लोटले, खारवट वाड्यावैले पाळंद नांवाचे सुवातेर फांतरातसून कोरांतलेली एक होवरी आसा तिका थंयचे थळावे लोक किदें म्हणटात ?

(1) होडणां (2) आंडी (3) होवरी (4) भोवरी

69. अस्तित्ववादी साहित्यांत नामनेचो म्हालगडो म्हूण कोणाक वळखतात ?
(1) हेडगर (2) फ्रेडरिक नित्शे (3) ज्यॉ पॉल सार्त्र (4) जॉन क्रो रॅन्सम

70. गोंयातल्या शिगम्या मेळाच्या समाप्तीवेळार गायिल्ल्या भैरवी स्वरूप गीतांक किदें म्हुण वळखतात ?
(1) चौपद (2) झाडो (3) चवाय (4) जती

71. ख्, छ्, ठ्, थ् आनी फ् ह्या व्यंजनांक कसली व्यंजनां म्हणटात ?
(1) स्फोटी व्यंजना (2) घांसडी व्यंजना (3) महाप्राणी व्यंजना (4) दांत ताळवीं व्यंजना

72. 'गद्य सदृश छंदमुक्त अभिव्यक्ती आनी संत्रस्त मानसिकतायेक धरुन येवपी आशय सूत्रां – विफलताय, रीतेंपणा हताशा, भिरांत, हुस्को, करांदाय, असहायता, घुस्पट आदी हे कवितेंत अचळय उदेतात.' अशें किरण बुडकुले खंयचे रचनेविशीं म्हणटा ?
(1) 'हांव मनीस अश्वत्थामो' (2) 'वास्कोयन'
(3) 'सर्ग घडपाक धर्तरेचो' (4) 'कविता: काळ रेल्वेच्यो; मन हारशांच्यो, पावसा पाणयाच्यो'

73. 'रामचंद्राक झाड साकळूंक आफयल्लें, पुण ताणे कानार केंस काडले.' ह्या विधानांतल्या म्हणीक खंयचचो योग्य अर्थ फावता ?
(1) कामाच्या बदला दुसरेंच सांगप (2) कानाचेर केंसाची झोंपा ओडप
(3) आयकूंक नाशिल्ले भशेन करप (4) काम करपाची कसलीच तयारी दाखोवय ना

74. सकयल दिल्ल्या वाक्यांतलें पालवी जोड अव्यय आशिल्लें वाक्य खंयचें ?
(1) चीप! ओग्गी राव!
(2) तूं नेटान अभ्यास करशी तर पास जातलोच!
(3) ते सुवार्थी लोक आशिल्ले म्हुण फाटीच उरले
(4) तांचेकडेन खूप पुस्तकां आसात

75. हेमा नायक हांच्यो रचना आनी तांचे उजवाडावणेचें वर्स हांच्यो योग्य त्यो जोडयो लायात.

(i)	अस्तुरी मृग	(v)	1982
(ii)	भायली गोडी	(vi)	1983
(iii)	पसय	(vii)	1984
(iv)	भोगदंड	(viii)	1992
		(ix)	1997

(1) (i) - (ix), (ii) - (v), (iii) - (vi), (iv) - (vii)
(2) (i) - (v), (ii) - (vii), (iii) - (ix), (iv) - (viii)
(3) (i) - (viii), (ii) - (vii), (iii) - (v), (iv) - (ix)
(4) (i) - (ix), (ii) - (vi), (iii) - (vii), (iv) - (v)

76. नदरेंतल्या पागेरानू पागिता मासोळी

सायबा भुलोयन मासोळी

पोंवळ्याच्या कंवळ्या वंठार

नाचोंयत पिसोळीं

सायबा हांसोयत पिसोळीं

वयल्या कडव्यांत खंयचो अलंकार आसा हें वळखात ?

(1) अनुप्रास (2) उपमा (3) उत्प्रेक्षा (4) रूपक

77. 'चिनू मिनू चानो' हें बालसाहित्याचें पुस्तक रचपी हांतलो कोण ?

(1) सुधा आमोणकार (2) प्रकाश पर्येकार

(3) प्रशांती तळपणकार (4) आर.एस्. भास्कर

78. 'चेंदूची भोंवडी' हे बालकवितेचे रचयतो कोण ?

(1) रमेश वेळुसकार (2) भिकाजी घाणेकार

(3) पुंडलीक नायक (4) मनोहरराय सरदेसाय

79. सकयली वाक्यां कोण कोणाक म्हणटा ?

'तुका हार्ट ना. हार्ट ना. ब्रूट खैंचो. निदल्ल्याकडे वैर थावन पडजे तुवें, पांय मोडजे, किशोर आरान्हा बरो.'

(1) आलेलुया आयोनाक म्हणटा. (2) रायन आलेलुयाक म्हणटा.

(3) आयोना आलेलुयाक म्हणटा. (4) आयोना रायनाक म्हणता.

80. नाटक आनी तांतूतलीं पात्रां हांच्यो फावो त्यो जोडयो लायात.

(i)	ताची करामत	(v)	अंकूश
(ii)	गजालीचें नाटक	(vi)	रामगो
(iii)	चैतन्याक मठ ना	(vii)	मावशीबाय
(iv)	चवथीचो चंद्र	(viii)	व्हनी
		(ix)	म्हाळूबाब

(1) (i) - (vi), (ii) - (vii), (iii) - (v), (iv) - (ix)

(2) (i) - (ix), (ii) - (vi), (iii) - (v), (iv) - (vii)

(3) (i) - (vii), (ii) - (viii), (iii) - (v), (iv) - (vi)

(4) (i) - (vi), (ii) - (viii), (iii) - (ix), (iv) - (vii)

81. 'सामाजिक निबंद मूळ धरता' हे प्रस्तावनेंत – 'संवाद शैलींतल्यान नदरेंत भरता तो नाट्य-लेखनाचो गूण श्री मणेरकार हांणी केळोवंळ जाय अशें दिसता ..... त्या गुणाचो विकास केल्यार श्री. मणेरकार हांच्या रूपान एक बरो एकांकीकार वा नाटककार कोंकणी संस्कृतायेक मेळूंक येता' अशें हांतल्या कोणे म्हटलां ?

(1) उदय भ्रेंब्रे हांणी
(2) दो. तानाजी हळर्णकार हांणी
(3) रविंद्र केळेकार हांणी
(4) नागेश करमली हांणी

82. सकयल दिल्ली खंयची विधानां चूक आसात ?

(अ) 'कोंकणी पत्रकोद्यम' हें पुस्तक पावल मोरासान बरयलां.
(ब) शणै गोंयबाबांलें समग्र साहित्य चार खंडांत कोंकणी भाशा मंडळान संपादित करून उजवाडायलां.
(क) 'जनगंगा' हो पुरस्कार सु.म. तडकोड हांकां फावो जाला.
(ड) 'भारीक संघर्षाचें समाजशास्त्र' ह्या पुस्तकाचो लेखक रविंद्र केळेकार आसा.

(1) विधानां (अ) आनी (क) चूक आसात.
(2) विधानां (ब) आनी (क) चूक आसात.
(3) विधानां (क) आनी (ड) चूक आसात.
(4) विधानां (अ) आनी (ड) चूक आसात.

83. 'राम वाचता आसतना तूं ताका उलो कित्याक मारता अशें रायान रघुनाथाक कित्याक म्हळें!' ह्या वाक्यांतलें काळविशेशण खंयचें ?

(1) उलो कित्याक मारता
(2) कित्याक म्हळें
(3) वाचता आसतना
(4) मारता अशें

84. कवी आनी तांच्या कविताझेल्यांच्यो फावो त्यो जोडयो लायात.

(i) सुहास दलाल	(v) मना मना
(ii) प्रभाकर तेंडुलकार	(vi) उमाळो
(iii) भरत नायक	(vii) जैत
(iv) जॉन आगियार	(viii) पुंजायिल्ली ओंवळा
	(ix) जीण

(1) (i) - (vii), (ii) - (v), (iii) - (vi), (iv) - (ix)
(2) (i) - (viii), (ii) - (v), (iii) - (vii), (iv) - (ix)
(3) (i) - (vi), (ii) - (vii), (iii) - (v), (iv) - (ix)
(4) (i) - (ix), (ii) - (v), (iii) - (vii), (iv) - (vi)

85. ‘हांव जे अवस्थेंतल्यान गेलों ती अवस्था संसारांतल्या सगळ्या धर्माच्या लोकांनी अणभविल्ली आसतली. गोंयांत हिंदू धर्म केन्नाच अभिमानान जगलो ना हें इतिहास वाचल्यार समजता. ह्या इतिहासाची पुनरावृत्ती गोंयातय जाली’ – अशें कोणे आनी खंयच्या ग्रंथात आनी खंयच्या लेखांत म्हटलां ?

(1) शणै गोंयबाब, वज्रालिखणी, गोंयची आवै-भास

(2) रविंद्र केळेकार, समिधा, प्रस्तावना

(3) नागेश सौंदे – कोंकणी भाशेचो इतिहास – भाशेचें भवितव्य आनी कोंकणी समाज

(4) चंद्रकान्त केणी – कोंकणी भास : साहित्य आनी संस्कृताय – गोंयची हिंदू संस्कृती

86. कोंकणीखातीर देवनागरी लिपीच योग्य ही दालगादांची भुमिका खंयचे वांङ्मय विद्येचे बुनयादीचेर उबी आसा ?

(1) तुलनात्मक वाङ्मयविद्या (2) व्याकरणिक अभ्यासविद्या

(3) भाशिक काळनिर्णयविद्या (4) प्राच्यविद्या

87. ‘अकमान’ आनी ‘शेगुण’ हीं उतरां मूळच्या ‘अपमान’ आनी ‘सुगुण’ ह्या उतरांची खंयची रूपां म्हणून आयल्यात ?

(1) भ्रश्ट रूपां (2) तद्‌भव रूपां (3) तत्सम रूपां (4) अपभ्रंश रूपां

88. ‘‘अठराजून अठरा जून/तुज्या म्हज्या
सगळ्या आमच्या रगतांत
आसा आजून घट्ट रिगून
अठरा जून अठरा जून
खबरच काडल्यार/आयज येता
आंगार कांटो फुलूफुलून’’
वयल्यो वळी खंयच्या कवीन रचल्यात ?

(1) बाकीबाब बोरकार (2) शंकर भांडारी (3) नागेश करमली (4) कवी बयाभाव

89. कविता आनी कवितां झेलो हांच्यों फाव त्यो जोडयो लायात.

(i)	एक आसलो गोरिल्ला/तो गेलो बंगाला आपल्या बारा पोरांखातीर/हाडले तेरा रसगुल्ला	(v)	गोड गोड गीतां
(ii)	बोंबो गेलो बोंबोय/आनी हाडले बोंबीलचार	(vi)	मनोहर गीतां
(iii)	बाबूच्या लग्नाक जाणटीं आयलीं/जाणटी झारबागचीं	(vii)	कुकुली कवनां
(iv)	बिलूबाय बिलूबाय/खंय गो आशिल्लें ? मामान तुज्या हाडलां मेमें/राखूंक बशिल्लें	(viii)	बेब्याचें काजार
		(ix)	बाबूलें लग्न

(1) (i) - (vi), (ii) - (v), (iii) - (ix), (iv) - (viii)
(2) (i) - (vii), (ii) - (vi), (iii) - (ix), (iv) - (v)
(3) (i) - (v), (ii) - (vii), (iii) - (ix), (iv) - (vi)
(4) (i) - (ix), (ii) - (vii), (iii) - (v), (iv) - (vi)

90. इ.स. 1954 वर्सा 'गोमंत-भारती' हे संस्थेची स्थापना हांतल्या खंयच्या ध्येयान जाल्ली ?

(1) कोंकणी भाशिक भौसाचे जीणेंत सत्य, शिव आनी सुंदर तत्त्वां जागोवन स्वतंत्र भारतांत बांदावळीचें जें कार्य चललां तांतूत वांटो उबारपाक तांकां प्रवृत्त करप.

(2) कोंकणी लोकांची प्रतिभा आनी तांची भास हांकां योग्य ती दिका दिवप आनी तांची उदरगत सादप.

(3) हे वरवीं कोंकणी समाजाची एक भास, एक लिपी आनी एक समाज अशी बांदावळ करप.

(4) साहित्य, संगीत, नाटक, नाच हांचे विशीं भौसामदीं आवड निर्माण करप.

91. काशिनाथ श्रीधर नायक संपादित करताले त्या देवनागरी लिपयेंतल्या 'नवें गोंय' ह्या नेमाळ्याचें स्वरूप कसलें आसलें ?

(1) दिसाळें (2) पंद्राळें (3) सातोळें (4) म्हयनाळें

92. पोर्तुगेज काळांत कोंकणी-पुर्तुगेज वा कोंकणी इंग्लेज अशा दोन भासांनी उजवाडून येवपी रोमी नेमाळीं गोंयकार वाचप्यांक कशे तरेन आदार करतालीत ?

(1) गोंयकारांची पोर्तुगेज आनी इंग्लेज भास सुदारपा खातीर ताचो आदार जातालो.

(2) ह्या नेमाळ्यांतल्यान खिस्ती खिस्तीनी काणयो आनी नवलकाणयो उजवाडून येताल्यो देखून निखटी रोमी जाणा जावपी वाचप्यांची भूक भागोवप जातालें.

(3) गोंयकार नवक्रिस्तावांमदीं क्रिस्तांव धर्माची भक्ती आनी आवड निर्माण करपाचे प्रयत्न जाताले.

(4) गोंयकारांमदी राजकीय जागृताय आनी हक्काविशीं समज निर्माण करपाचो तो यत्न आसतालो.

93. पुस्तकां, प्रकाशन वर्स आनी प्रकाशक संस्था हांच्यो फावो त्यो जोडयो लायात.

(i)	धम्मपद	(v)	इ.स. 1962	(x)	कोंकणी भाशा मंडळ
(ii)	पश्चिमी समीक्षेकडेन इश्टागत	(vi)	इ.स. 1997	(xi)	अस्मिताय प्रतिष्ठान
(iii)	नवी शाळा	(vii)	इ.स. 1986	(xii)	शणै प्रकाशन
(iv)	कोंकणी व्याकरण (पयली आवृत्ती)	(viii)	इ.स. 1998	(xiii)	गोमंत भारती प्रकाशन
		(ix)	इ.स. 1954	(xiv)	जाग प्रकाशन
				(xv)	राजहंस प्रकाशन

(i) (ii) (iii) (iv)

(1) (vi) - (xi), (viii) - (xv), (v) - (xiv), (vii) - (x)

(2) (v) - (x), (vii) - (xii), (ix) - (xv), (viii) - (xiii)

(3) (v) - (xiv), (vi) - (xii), (viii) - (x), (ix) - (xi)

(4) (vii) - (x), (viii) - (xiv), (ix) - (xii), (v) - (xiii)

94. 'काळजाची भरती' हो कवितांझेलो हांतल्या खंयचे कवयित्रीन रचला ?

(1) नीला तेलंग (2) शांती तेंडुलकार (3) नयना आडारकार (4) नूतन साखरदांडे

95. दत्ता दामोदर नायक हांच्या भोंवडेवर्णनाच्या पुस्तकाचो हांतलो खंयचो माथाळो जावन आसा ?

(1) विवेकानंदपुरमांत (2) ऊंटाच्या देशांत

(3) अरेबियन डेज (4) गोमांचल ते हिमांचल

96. 'निर्मिती हें तरणेपणाचें लक्षण. जो कलेक जल्म दिता तो सदांच तरणो उरता; कविता प्रसवता ताका म्हातारपण आफडुना' अशें कोणे आनी कोणाच्या संबंधान म्हटलां ?

(1) लक्ष्मणराव सरदेसाय – शंकर रामाणी (2) मनोहरराय सरदेसाय – राम. बा. प्रभू चोडणेकार

(3) बाकीबाब बोरकार – वामन सरदेसाय (4) रवींद्र केळेकार – र.वि. पंडीत

97. 'चप्पय' हे धनगरांचे लोकनाचांत सकयल दिल्ली खंयची वाद्यां वाजयतात.

(1) धोल आनी तासो (2) घुमट आनी समेळ

(3) म्हादाळें आनी कासाळें (4) धोल आनी थाळो

98. 19 फेब्रेर 1983 ह्या वर्सा रमेश भगवन्त वेळुस्कार हांचो खंयचो कविताझेलो उजवाडून आयलो ?

(1) मोरपाखां (2) मोनी व्यथा (3) माती (4) सावुलगोरी

99. '__________' आनी '__________' ह्यो दोनूय नवलिका सैमचित्रण, लोकवेद आनी गांवगिरे संस्कृतायेचें सोबीत उगतावण करतात.

(1) 'जायू' आनी 'पाखलो' (2) 'बांबर' आनी 'हुंवार'

(3) 'दिका' आनी 'शक्तिपात' (4) 'अच्छेव' आनी 'काळीगंगा'

100. 'ऐपिस्टल' हा ग्रंथ खंयचे तरेच्या काव्य प्रकाराचो जावन आसा ?

(1) तुस्तकाव्य (2) पत्रकवन (3) लोक गीत (4) गोप–गीत

- o O o -

Space For Rough Work